शिल्पियों के लिए वित्तीय सहायता

7899. श्री अजीत जोगी :
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार को पारंपरिक कलाओं को अक्षुण्ण रखने के लिए हस्त शिल्पियों/शिल्पियों को वर्ष 1995-96 के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु राज्य सरकारों से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है ;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गये हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी. वेंकट स्वामी) : (क) तथा (ख) वर्ष 1995-96 के दौरान किसी भी राज्य सरकार तथा इसके अभिकरणों से परम्परागत शिल्पों के परिरक्षण के लिए अभी तक कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है । तथापि, 1994-95 के दौरान लुप्तप्राय: शिल्पों के पुनर्जीवन के लिए निम्नलिखित राज्य हस्तशिल्प विकास निगमों से 9 प्रस्ताव प्राप्त हुए थे :--

निगम का नाम	प्राप्त हुए प्रस्तावों की संख्या	शिल्पों का नाम
मध्य प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम, भोपाल	5	जन जातीय मुखोटे, सहारिया चित्रकारी, लघु चित्रकारी, कलात्मक आभूषण तथा पत्थर शिल्प ।
आन्ध्र प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम, हैदराबाद	4	तेलिया रुमाल, चमड़े की कठपुतली, वीणा तथा मृदंगम बनाना ।

(ग) सरकार ने मध्य प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम तथा आन्ध्र प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम के सभी प्रस्ताव स्वीकृत कर दिए हैं ।

कपास का उत्पादन

7900. श्री अजीत जोगी :
श्री मूलचन्द मीणा :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान कपास का राज्य-वार कुल कितना उत्पादन हुआ ;

(ख) उक्त अवधि के दौरान विद्युत करघा तथा हथकरघा क्षेत्रों में कपास की पृथक-पृथक् कुल कितनी खपत हुई ;

(ग) सरकार ने हथकरघा और विद्युतकरघा क्षेत्र में कपास का कोटा आवंटित करने के लिए क्या-क्या मानदण्ड निर्धारित किए हैं ;

(घ) कपास के पिछले बकाया भण्डार की अनुमानित मात्रा कितनी है, जो आगामी वर्ष के दौरान उपलब्ध होगी ; और

(ङ) सरकार ने कपास के उत्पादन को बढ़ाने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं ?